

**CERTIFICATE PROGRAMME IN
PEACE STUDIES AND CONFLICT
MANAGEMENT (CPSCM)**

Term-End Examination

June, 2025

**BGP-002 : INDIAN PERSPECTIVES ON PEACE
AND CONFLICT**

Time : 2 Hours

Maximum Marks : 50

Note : Answer **five** questions in all, choosing at least **two** questions from each Section. Answer each question in about **400** words. Each question carries **10** marks.

Section—I

1. Critically examine the Indian perspectives on promoting peace.

2. Describe the evolution of peace and other social movements in India.
3. Explain the changing nature of families and communities in contemporary Indian society.
4. Examine the ways to measure the quality of life.
5. Describe emerging threats and opportunities in accessing natural resources for sustainable management.

Section—II

6. Examine the efficacy of confrontations for the resolution of conflicts.
7. Explain the importance of the role of judiciary in protecting fundamental rights of the Indian citizens.
8. Explain Gandhian non-violent resistance movement and use of moral persuasion for resolving conflicts. Write answer with at least *two* examples.

9. Briefly explain the Indian perspectives on role of international institutions in resolving conflicts and peace-keeping.
10. Write short notes on the following :
 - (a) Inter-state conflicts in Asia
 - (b) Ethnic conflicts in India

BGP-002

शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र

कार्यक्रम (सी. पी. एस. सी. एम.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.जी.पी.-002 : शांति और संघर्ष : भारतीय परिप्रेक्ष्य

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रत्येक भाग से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के 1 दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का 1 लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

भाग—I

1. शांति को बढ़ावा देने के भारतीय दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

A-323/BGP-002

2. भारत में शांति और अन्य सामाजिक आंदोलनों के विकास का वर्णन कीजिए।
3. समकालीन भारतीय समाज में परिवारों और समुदायों की बदलती प्रकृति की व्याख्या कीजिए।
4. जीवन की गुणवत्ता को आंकने के तरीकों का परीक्षण कीजिए।
5. प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के स्थायी प्रबंधन में उभरते खतरों तथा अवसरों का वर्णन कीजिए।

भाग—II

6. संघर्ष के समाधान के लिए टकराव की प्रभावकारिता का परीक्षण कीजिए।
7. भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका की भूमिका के महत्व की व्याख्या कीजिए।
8. गांधीवादी अहिंसक प्रतिरोध आंदोलन और संघर्षों को हल करने के लिए नैतिक मार्ग के उपयोग की व्याख्या कीजिए।
कम-से-कम दो उदाहरणों सहित उत्तर लिखिए।

9. संघर्ष समाधान और शांति स्थापना में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर भारतीय परिप्रेक्ष्य की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
- (क) एशिया में अंतर्राज्यीय विवाद
- (ख) भारत में नृजातीय विवाद

x x x x x